शक्ति

जिले की ताजी घटनाओं और विशेष
कार्यक्रमों की जानकारी के लिए
दैनिक प्रचण्ड शक्ति
के नियमित पाठक बनें इस समाचार
पत्र में हम आपको हर रोज
जिले के साथ साथ प्रदेश और देश के
घटनाक्रमों की भी
ब्योरेवार जानकारी देंगे।
हमारे कार्यालय में सम्पर्क करें
-व्यवस्थापक

E-mail-pshakti_panna@yahoo.co.in मूल्य - 75 पैसे

कड़कड़ाती ठंड में उजाड़े जा रहे आदिवासियों के घरोंदे

वन विभाग द्वारा उडाई जा रही वन अधिकार कानून की धज्जियाँ

पन्ना। पुस्तों से बसे आदिवासियों जिन्होंने वन अधिकार कानून के अन्तर्गत पट्टे के लिये दिये थे आवेदन परन्तु उन आवेदनों पर गौर किए बगैर इन बहेरा निवासी आदिवासियों को जबरन वन विभाग द्वारा हटाये जाने से आक्रोशित आदिवासियों ने समाजसेवी यूसुफबेग के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि यह सभी आदिवासी ग्राम बहेरा तहसील व जिला पन्ना की भूमि पर काबिज हैं व वनों के सहारे और मजदूरी कर अपना जीवकोपार्जन करते हैं। वन विभाग के कर्मचारियों के द्वारा हम परम्परागत अनुसूचित जन जाति के वनवासियों को वनों से खदेड़ा जा रहा है और बने झोपड़ों को गिराया जा रहा है जिससे इस भीषण ठंड में यह बगैर छत के हो जाने के साथ-साथ अपने बच्चों के साथ ठंड में दर दर भटकने को मजबूर हैं। इन सभी आदिवासियों ने वन अधिकार कानून के अन्तर्गत पट्टे के लिये आवेदन किया गया है इनके वन अधिकारों को सुलझाए बिना और बिना कोई सूचना दिए वन अमले द्वारा हटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है जो सरासर अनुचित है। इस आशय का ज्ञापन कलेक्टर के नाम एसडीएम अशोक ओहरी को सौंपा गया। एसडीएम पन्ना ने जाँच का आश्वासन देकर सभी को वापस कर दिया। आदिवासियों का कहना है कि मरते दम तक हम अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे इनका नेतृत्व कर रहे समाजसेवी यूसुफ बेग, एम०एल० विश्वकर्मा, अनीस खान आदिवासी वनवासी महासंघ एवं समाजसेवी राहुल

निगम ने इनकी लड़ाई में साथ देते हुए प्रशासन को आगाह किया गया है कि अगर इन्हें घर से बेघर किया गया तो इसके परिणाम गम्भीर होंगे और सभी मिलकर इन आदिवासियों के हक में जिला प्रशासन एवं वन विभाग के विरूद्ध आंदोलन छेड़ने को मजबूर हो जायेंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में सैकड़ों आदिवासी मौजूद थे।